Item Code: 641 Participant Code: 035

समय और जीवन.....

भूमि जाता है आगे,
समय जाता है आगे।
कुछ भी नही कर सकता,
कुछ भी नही कर सकता।

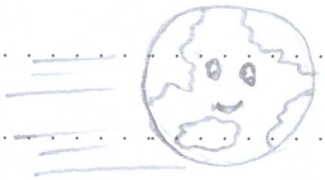

रुक नही सकता समय को,
रुक नही सकता भूमि को,
अगर हम रुका ता,
कुछ भी नही सफल होगा।

तो हम क्या करूँ,
फिर क्या करूँ।
वक्त जाता है आगे,
दिन जाता है आगे।

आज या कल
समय नही रुकता।
तो हम क्या करूँ,
सिरफ समय के साथ दौडना होगा।

समय के पास जाना होगा,
समय के साथ दौड़ना होगा।
तभी ही हम सफल होगा,
जीवन में सफल होगा।

नहीं मैं या नहीं तुम
समय को रुक सकता है।
सिर्फ ईश्वर को कर सकता है,
समय और भूमि को रुकना।

जब कठिन समय आता है,
रुकना नहीं चाहिए।
दौड़ना होगा तेज़,
जैसी समय करता है।

जीवन में हमें एक ही चिज़ करना है,
वह है आगे बढ़ना,
जब तक हम सफल नहीं होता,
तब तक आगे बढ़ना रुकना नहीं चाहिए।

कोई आसान तरीका नहीं है।

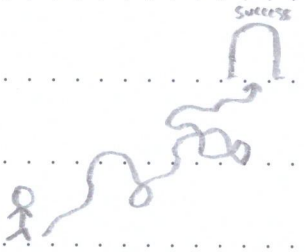

मेहनत करके बिना,
कुछ भी सफल नहीं होगा.
अगर हम कुछ भी नहीं करना।
पेहले मेहनत, फिर आराम।
हमारे काम और कोई भी नहीं करेगा.
अगर कर भी दिया तो,
वो हमारा काम नहीं आना।
अगर दूसरे लोग सफल होता है,
तो हम क्या करेंगे।
उनके जैसे मेहनत करना.
और उनके साथ आगे बढ़ना।
चुनौतिया आता है हर दिन
मुश्किल समय आता है हर दिन।
हमें सिर्फ करना है,
उन सब को चोड़ कर जाना है।

हर वक्त कीमति होता है,
नहीं खोना चाहिए उसको।
फिर रोते है तो,

समय वापस नहीं आता।

सवाल होता है सब में,

उनका जवाब भी होता है।
सब का सवाल है,
तो मैं क्या करूँ?

सिरफ करना है मेहनत
करना है काम।
तभी पोहचेंगे हम,

हमारे सही स्थान पर।

तो केहना है एक ही बात
मेहनत के बिना कुछ भी नहीं है।
अंत में एक ही सवाल रहेगा,
"तो मैं क्या करूँ"......